Class XII Session 2025-26
Subject - Hindi Core
Sample Question Paper - 7

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-
- यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क (अपठित बोध)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)** **[10]**

हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संवाद देने वाली है। वह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है। पाचन-शक्ति बढ़ाती है, रक्त को चलाती और अधिक पसीना लाती है। हँसी एक शक्तिशाली दवा है। एक डॉक्टर कहता है कि वह जीवन की मीठी मदिरा है। डॉ. हयूड कहता है कि आनंद से बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मनुष्य के पास और नहीं है। कारलाइल एक राजकुमार था। संसार त्यागी हो गया था। वह कहता है कि जो जी से हँसता है, वह कभी बुरा नहीं होता। जी से हँसी, तुम्हें अच्छा लगेगा। अपने मित्र को हँसाओ, वह अधिक प्रसन्न होगा। शत्रु को हँसाओ, तुमसे कम घृणा करेगा। एक अनजान को हँसाओ, तुम पर भरोसा करेगा। उदास को हँसाओ, उसका दुख घटेगा। निराश को हँसाओ, उसकी आशा बढ़ेगी।

एक बूढ़े को हँसाओ, वह अपने को जवान समझने लगेगा। एक बालक को हँसाओ, उसके स्वास्थ्य में वृद्ध होगी। वह प्रसन्न और प्यारा बालक बनेगा, पर हमारे जीवन का उद्देश्य केवल हँसी ही नहीं है, हमको बहुत काम करने हैं। तथापि उन कामों में, कष्टों में और चिंताओं में एक सुंदर आंतरिक हँसी, बड़ी प्यारी वस्तु भगवान ने दी है।

हँसी सबको भली लगती है। मित्र-मंडली में हँसी विशेषकर प्रिय लगती है। जो मनुष्य हँसते नहीं उनसे ईश्वर बचावे। जहाँ तक बने हँसी से आनंद प्राप्त करो। प्रसन्न लोग कोई बुरी बात नहीं करते। हँसी बैर और बदनामी की शत्रु है और भलाई की सखी है। हँसी स्वभाव को अच्छा करती है। जी बहलाती है और बुद्ध को निर्मल करती है।

(i) हँसी किस शक्ति को बढ़ाती है? (1)

क) मानसिक शक्ति

ख) पाचन शक्ति

ग) श्रवण शक्ति

घ) दृष्टि शक्ति

(ii) डॉ. हयूड के अनुसार, मनुष्य के पास सबसे बहुमूल्य वस्तु कौनसी है? (1)

क) धन

ख) स्वास्थ्य

ग) आनंद

घ) ज्ञान

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - (1)

कथन (I): हँसी शरीर और मन को प्रसन्न करती है।

कथन (II): हँसी मनुष्य के स्वभाव को बिगाड़ती है।

कथन (III): मित्रों में हँसी विशेष प्रिय मानी जाती है।

कथन (IV): हँसी बैर और बदनामी को बढ़ावा देती है।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही हैं?

क) केवल कथन (I) और (III) सही हैं।

ख) केवल कथन (II), (III) और (IV) सही हैं।

ग) केवल कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।

घ) केवल कथन (I) और (IV) सही हैं।

(iv) हँसी किस प्रकार की दवा है? (1)

(v) हँसी का शत्रु और मित्र कौन है? (2)

(vi) हँसी से मित्रों, शत्रुओं, अनजान लोगों, उदास और निराश व्यक्तियों पर क्या प्रभाव पड़ता है? (2)

(vii) हँसी को भगवान ने किस रूप में दी है और इसका क्या महत्त्व है? (2)

2. **निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (8)** **[8]**

धूप चमकती है चाँदी की साड़ी पहने
मैके में आई बेटी की तरह मगन है
फूली सरसों से आके लिपट गई है
जैसे दो हमजोली सखियाँ गले मिली हैं
भैया की बाँहों से छूटी भौजाई-सी
लहँगे को लहराती हवा चली है
सारंगी बजती है खेतों की गोदी में
दल के दल पक्षी उड़ते हैं मीठे स्वर के
अनावरण यह प्राकृत छवि की अमर भारती
रंग-बिरंगी पंखुरियों की खोल चेतना
सौरभ से मह-मह महकाता है दिगंत को
मानव मन को भर देता है दिव्य दीप्ति से
शिव के नंदी-सा पानी पीता नदिका में
निर्मल नभ अवनी के ऊपर बिसुध खड़ा है
काल काग की तरह ठूँठ पर गुमसुम बैठा
सोई आँखों देख रहा है दिवावसान को।

i. **निम्नलिखित काव्यांश में दिए गए कथनों के लिए उचित विकल्प का चयन करें: (1)**

I. प्रकृति का चित्रण मानवीय भावनाओं के समान किया गया है।

II. खेतों में बहती हवा को जीवन्त रूप में दर्शाया गया है।

III. शिव का नंदी पानी पीता हुआ सजीवता का प्रतीक है।

IV. ठूँठ पर बैठा काग सजीव जीवन का प्रतीक है।

विकल्प:

क) कथन I और II सही हैं।

ख) कथन I, II और III सही हैं।

ग) केवल कथन IV सही है।

घ) कथन I, II और IV सही हैं।

ii. **'फूली सरसों से आके लिपट गई है' से कवि ने किस भाव को प्रकट किया है? (1)**

क) दुख और विषाद

ख) खुशी और उत्सव

ग) गहन विचार

घ) निर्जनता और अकेलापन

iii. **नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कर सही विकल्प का चयन करें: (1)**

कॉलम 1	कॉलम 2
I. "धूप चमकती है चाँदी की साड़ी पहने"	1 - प्रकृति की सुंदरता का वर्णन।
II. "सारंगी बजती है खेतों की गोदी में"	2 - पक्षियों के मधुर स्वर।
III. "ठूँठ पर गुमसुम बैठा काल काग"	3 - जीवन के अंत की ओर संकेत।

विकल्प:

क) I - (1), II - (3), III - (2)

ख) I - (1), II - (2), III - (3)

ग) I - (2), II - (3), III - (1)

घ) I - (3), II - (1), III - (2)

iv. **काव्यांश के आधार पर ग्रामीण परिवेश के दो दृश्यों का उल्लेख कीजिए। (1)**

v. **हवा की तुलना कवि ने किससे की है और क्यों? (2)**

vi. **फूलों के खिल उठने को क्या प्रभाव चारों ओर पड़ता है? (2)**

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. **दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।** **[6]**

   i. **उपभोक्ता जागरूकता** विषय पर निबंध लिखिए। **[6]**

   ii. **प्लास्टिक : एक पर्यावरण संकट** विषय पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

   iii. **तकनीकी विकास** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

4. **निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर, किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए(2 X 4 = 8)** **[8]**

   i. **कैमरे में बंद अपाहिज** करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है? इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। **[2]**

   ii. बाज़ार में भगत जी के व्यक्तित्व का कौन-सा सशक्त पहलू उभरकर आता है? क्या आपकी नज़र में उनका आचरण समाज में शांति-स्थापित करने में मददगार हो सकता है? **[2]**

   iii. जैसे क्रिकेट की कमेंट्री की जाती है वैसे ही कुश्ती की कमेंट्री की गई है? आपको दोनों में क्या समानता और अंतर दिखाई पड़ता है? **[2]**

   iv. बात से जुड़े कई मुहावरे प्रचलित हैं। कुछ मुहावरों का प्रयोग करते हुए लिखें। **[2]**

   v. **उषा** कविता में **भोर के नभ** की पवित्रता, निर्मलता और उज्ज्वलता को किन रूपों में वर्णन किया गया है? अपने शब्दों में लिखिए। **[2]**

5. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (4 X 2 = 8)** **[8]**

   i. वे कौन से कारण हैं जो किसी भी लेखन को विशिष्ट बना देते हैं? **[4]**

   ii. इंटरनेट तेजी से लोकप्रिय क्यों हो रहा है? किन्हीं चार कारणों का उल्लेख कीजिए। **[4]**

   iii. यशोधर बाबू ऐसा क्यों सोचते हैं कि वे भी किशनदा की तरह घर-गृहस्थी का बवाल न पालते तो अच्छा था? **[4]**

खंड- ग (आरोह भाग - 2 एवं वितान भाग-2 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,

नीड़ों से झाँक रहे होंगे

यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।
मुझसे मिलने को कौन विकल?
मैं होऊँ किसके हित चंचल?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।

i. पक्षी अपने घर की ओर तेजी से क्यों लौट रहे हैं?

क) बच्चों की व्याकुलता के कारण
ख) पैरों की शिथिलता के कारण
ग) सायंकाल हो जाने के कारण
घ) रात के अंधकार के कारण

ii. कवि, घर लौटने की शीघ्रता में नहीं दिखाई दे रहा है, क्योंकि:

क) वह किसी के लिए चिन्तित नहीं है।
ख) वह अपने घर पर ही है।
ग) उसका कोई अपना नहीं है।
घ) उसके पास घर नहीं है।

iii. बच्चे घोंसले से क्यों झाँक रहे हैं?

क) बाहरी भय की आशंका से
ख) भोजन की प्रतीक्षा में
ग) रात हो जाने की आशंका से
घ) माँ की प्रतीक्षा में

iv. **पैरों का शिथिल होना** - का आशय है:

क) आलस्य होना
ख) रुक जाना
ग) उत्साह नहीं होना
घ) थकावट होना

v. कवि की बेचैनी का कारण है:

क) उसका आवारापन
ख) उसकी भावुकता
ग) उसका अधूरापन
घ) उसका अकेलापन

7. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

i. जहाँ उपमेय में उपमान का आरोप हो, रूपक कहलाता है। इस कविता में से रूपक का चुनाव करें। **[3]**

ii. तुलसीदास ने पेट की आग को **समुद्र की आग से बड़ी क्यों** कहा है? कवितावली पाठ के आधार पर लिखिए। **[3]**

iii. बात (कथ्य) के लिए नीचे दी गई विशेषताओं का उचित बिंबों/मुहावरों से मिलान करें। **[3]**

बिंब/मुहावरा	विशेषता
(क) बात की चूड़ी मर जाना	कथ्य और भाषा सही सामंजस्य बनना
(ख) बात की पेंच खोलना	बात का पकड़ में न आना
(ग) बात का शरारती बच्चे की तरह खेलना	बात का प्रभावहीन हो जाना
(घ) पेंच को कील की तरह ठोंक देना	बात में कसावट का न होना
(ङ) बात का बन जाना	बात को सहज और स्पष्ट करना

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

i. **पतंग** कविता का प्रतिपाद्य बताइए। **[2]**

ii. किसी के दुःख को बेचना कहाँ तक उचित है? **कैमरे में बंद अपाहिज** कविता के संदर्भ में लिखिए। **[2]**

iii. बादल राग कविता में बादल के लिए **ऐ विप्लव के वीर!, ऐ जीवन के पारावार!** जैसे संबोधनों का इस्तेमाल किया गया है। **[2]**
बादल राग कविता के शेष पाँच खड़ों में भी कई संबोधनों का इस्तेमाल किया गया है। जैसे- **अरे वर्ष के हर्ष!, मेरे पागल**

बादल!, ऐ निर्बंध!, ऐ स्वच्छंद!, ऐ उद्दाम!, ऐ सम्राट!, ऐ विप्लव के प्लावन!, ऐ अनंत के चंचल शिशु सुकुमार!, उपर्युक्त संबोधनों की व्याख्या करें तथा बताएँ कि बादल के लिए इन संबोधनों का क्या औचित्य है?

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

फिर मेरी दृष्टि में आदर्श समाज क्या है? ठीक है, यदि ऐसा पूछेंगे, तो मेरा उत्तर होगा कि मेरा आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा? क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? किसी भी आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह कि दूध-पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है, और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है। (बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर)

i. लेखक ने किन विशेषताओं को आदर्श समाज की धुरी माना हैं?

क) स्वतन्त्रता　　ख) भाईचारा

ग) स्वतन्त्रता, समता, भाईचारा　　घ) समता

ii. भ्रातृता के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

क) बिना स्वार्थ के सामूहिक हितभाव　　ख) एक-दूसरे का हित

ग) भाई-भाई　　घ) परोपकार

iii. अबाध संपर्क से लेखक का क्या अभिप्राय है?

क) संपर्क करना　　ख) बाधा रहित

ग) बिना बाधा के संपर्क　　घ) जुड़ना

iv. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): किसी भी आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके।

कारण (R): ऐसे समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए।

क) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।　　ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।　　घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

v. गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

i. हमारा समाज समता और भाईचारे पर आधारित होना चाहिए।

ii. समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए।

iii. जाति-प्रथा एक हानिकारक प्रथा है।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सही है/हैं?

क) केवल i　　ख) i और ii

ग) ii और iii　　घ) केवल iii

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

i. **पहलवान की ढोलक** पाठ के आधार पर रात्रि के सन्नाटे को जब सियारों और उल्लुओं की आवाज़ें भंग नहीं कर पातीं, तब गाँव में संजीवनी शक्ति कौन भर देता था? **[3]**

ii. भक्तिन की बेटी पर पंचायत द्वारा पति क्यों थोपा गया? इस घटना के विरोध में दो तर्क दीजिए। **[3]**

iii. **हाय, वह अवधूत आज कहाँ है!** ऐसा कहकर लेखक (हजारी प्रसाद द्विवेदी) ने आत्मबल पर देह-बल के वर्चस्व की वर्तमान सभ्यता के संकट की ओर संकेत किया है। कैसे? **[3]**

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

i. **बाजार दर्शन** पाठ से ली गई पंक्ति - जहाँ तृष्णा है, बटोर रखने की स्पृहा है, वहाँ उस बल का बीज नहीं है। - में किस बल की बात कही गई है? इस बल से युक्त और हीन व्यक्ति की विशेषताएँ लिखिए। **[2]**

ii. **त्याग तो वह होता..... उसी का फल मिलता है।** अपने जीवन के किसी प्रसंग से इस सूक्ति की सार्थकता समझाइए। **[2]**

iii. लेखक भीमराव रामजी आंबेडकर के मत से **दासता** की व्यापक परिभाषा क्या है? **[2]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[10]**

i. यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों? **[5]**

ii. पाँचवीं कक्षा में दुबारा पढ़ने आए लेखक को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा? **जूझ** कहानी के आधार पर लिखिए। **[5]**

iii. नदी, कुएँ, स्नानागार और बेजोड़ निकासी व्यवस्था को देखते हुए लेखक पाठकों से प्रश्न पूछता है कि क्या हम सिंधु घाटी सभ्यता को **जल-संस्कृति** कह सकते हैं? अतीत में दबे पाँव पाठ के आधार पर आपका जवाब लेखक के पक्ष में है या विपक्ष में? तर्क दें। **[5]**

उत्तर

खंड क (अपठित बोध)

1. (i) ख) पाचन शक्ति
   (ii) ग) आनंद
   (iii) क) केवल कथन (I) और (III) सही हैं।
   (iv) हँसी एक शक्तिशाली दवा है।
   (v) हँसी बैर और बदनामी की शत्रु है और भलाई की सखी है।
   (vi) मित्रों को हँसाने से वे अधिक प्रसन्न होते हैं, शत्रुओं को हँसाने से वे कम घृणा करते हैं, अनजान लोगों को हँसाने से वे भरोसा करते हैं, उदास व्यक्तियों को हँसाने से उनका दुख घटता है, और निराश व्यक्तियों को हँसाने से उनकी आशा बढ़ती है।
   (vii) भगवान ने हँसी को एक सुंदर आंतरिक वस्तु के रूप में दी है, जो कष्टों और चिंताओं में भी मन को प्रसन्न करती है और स्वभाव को अच्छा बनाती है।
2. i. ख) कथन I, II और III सही हैं।
   ii. ख) खुशी और उत्सव
   iii. ख) I - (1), II - (2), III - (3)
   iv. 1. हरी-भरी धरती, स्वच्छ वातावरण,
   2. चमचमाती धूप
   v. 1. भौजाई से तुलना
   2. हवा के द्वारा वातावरण में हलचल पैदा करने के कारण।
   vi. फूलों के खिल उठने से वातावरण में सुगंध फैल जाती है।

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।

(i) **उपभोक्ता जागरूकता**

उपभोक्ता जागरूकता का अर्थ है उपभोक्ताओं का अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सचेत और जागरूक होना। यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दा है जो उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें शोषण से बचाने में मदद करता है। इस निबंध में हम उपभोक्ता जागरूकता के महत्व, इसके कारण और इसके समाधान पर चर्चा करेंगे।

उपभोक्ता जागरूकता का महत्व कई कारणों से है:

उत्पाद की गुणवत्ता: उपभोक्ता जागरूकता उपभोक्ताओं को उत्पाद की गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्राप्त करने में मदद करती है। इससे वे खराब गुणवत्ता वाले उत्पादों से बच सकते हैं।

धोखाधड़ी से बचाव: जागरूक उपभोक्ता धोखाधड़ी और गलत विज्ञापनों से बच सकते हैं। वे अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहते हैं और किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी का विरोध कर सकते हैं।

सही निर्णय लेना: उपभोक्ता जागरूकता उपभोक्ताओं को सही निर्णय लेने में मदद करती है। वे विभिन्न उत्पादों और सेवाओं की तुलना कर सकते हैं और अपने लिए सबसे उपयुक्त विकल्प चुन सकते हैं।

उपभोक्ता जागरूकता के कई कारण हो सकते हैं:

शिक्षा का अभाव: जब लोगों में शिक्षा की कमी होती है, तब वे आसानी से धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं। उन्हें अपने अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी नहीं होती।

गलत विज्ञापन: कई बार कंपनियां अपने उत्पादों के बारे में गलत जानकारी देती हैं, जिससे उपभोक्ता भ्रमित हो जाते हैं और गलत निर्णय ले लेते हैं।

कानूनी जानकारी का अभाव: उपभोक्ताओं को अपने कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी नहीं होती, जिससे वे अपने अधिकारों की रक्षा नहीं कर पाते।

(ii) **पर्यावरण संकट-प्लास्टिक के दुष्प्रभाव**

पचावरण सकाट-स्टिक दुष्प्रभाव प्लास्टिक एक रासायनिक पदार्थ है जिसे मिट्टी सैकड़ों वर्षों में भी गला नहीं पाती है। यह जहाँ कहीं भी मिट्टी या पानी के आस-पास होता है उस जगह को अनुर्वर बना देता है। वर्तमान में जहाँ एक ओर प्लास्टिक के प्रयोग ने जिन्दगी सुविधाजनक बनाई है वहीं दूसरी ओर उस सुविधा ने पर्यावरण की दृष्टि से कितनी बड़ी मुश्किलें पैदा कर दी हैं इसका अनुमान लगाना भी सम्भव नहीं है। प्लास्टिक-कचरा पर्यावरण के लिए गम्भीर संकट बन चुका है। प्लास्टिक-कचरे को रिसाइकिल करना सुगम नहीं होता है। पर्यावरण की दृष्टि से जहाँ बेहतर तकनीक वाली रि-साइकिलिंग इकाइयों नहीं लगी होती हैं वहीं रि-साइकिलिंग के दौरान पैदा होने वाले विषैले धुएँ से वायु प्रदूषण फैलता है। प्लास्टिक का कचरा नालियों और सीवेज व्यवस्था को बिगाड़ता है। नदियों में भी इनकी वजह से बहाव पर असर पड़ता है। पानी के दूषित होने से मछलियों और अन्य जलचरों की मौत तक हो जाती है। नदियों के जरिए यह कचरा समुद्र में भी पहुँच कर जल प्रदूषण फैला रहा है। कूड़े में पड़ी प्लास्टिक थैलियों को खाकर आवारा पशुओं की बड़ी तादाद में मौतें हो रही हैं। प्लास्टिक-कचरे से पर्यावरण को बचाने के लिए जनमानस को जागरूक किया जाना चाहिए। इसके लिए जन-आन्दोलन चलाया जाना अब अति आवश्यक जान पड़ता है। आजकल व्यापारी जन अपने

व्यापार को बढ़ावा देने के लिए बेधड़क प्लास्टिक का प्रयोग कर रहे हैं अत: उन्हें भी इस सन्दर्भ में जागरूक और सावधान करने की आवश्यकता है। यदि सब परस्पर निश्चय कर लें तो प्लास्टिक का प्रयोग सुगमता से निषेध हो सकता है।

(iii) तकनीकी विकास आधुनिक समय की एक महत्वपूर्ण और रुचिकर विषय है। विज्ञान और तकनीक के प्रगतिशील उद्भव से जीवन के हर क्षेत्र में बदलाव आया है। यह विकास समाज, अर्थव्यवस्था, व्यापार, संचार, और नगरीकरण को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। तकनीकी विकास के प्रमुख लाभों में समय की बचत, कार्य क्षमता और उत्पादकता में वृद्धि, नवीनता और आवास के अवसर, और विश्वसनीय संचार साधनों की उपलब्धता शामिल होती है। तकनीकी उन्नति द्वारा, हमने सौर ऊर्जा, जल संचयन, जीवन को सुखद बनाने के लिए उच्चकोटि के उपकरणों और सुविधाओं का विकास किया हैं।

हालांकि, तकनीकी विकास के साथ-साथ चुनोतियाँ भी हैं। उनमें विशेष रूप से प्राकृतिक संसाधनों की कमी, प्रदूषण, तकनीकी बाधाएँ, उचित उपयोग और नैतिक मुद्दे शामिल हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए, सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए, संगठित नीतियों और मानवीय मूल्यों का सम्मान करना आवश्यक होता है। तकनीकी विकास को जनहित में उपयोगी बनाने के लिए, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय पहलू पर ध्यान देना आवश्यक है। यह सुनिश्चित करेगा कि हम समृद्ध, सुरक्षित और स्थायी भविष्य का निर्माण करें।

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर, किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए(2 X 4 = 8)

(i) दूरदर्शन पर एक अपाहिज का साक्षात्कार व्यावसायिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए दिखाया जाता है। दूरदर्शन पर एक अपाहिज को प्रदर्शन की वस्तु मान कर उसके मन की पीड़ा को बेदर्दी से कुरेदा जाता है, उसे खुलेआम भुनाया जाता है। साक्षात्कारकर्ता को उसके निजी सुख- दुख से कुछ लेना-देना नहीं होता। यहाँ पर कवि के कहने का तात्पर्य यह है कि दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले इस प्रकार के अधिकांश कार्यक्रम केवल संवेदनशीलता, सहानुभूति का दिखावा ही नहीं करते बल्कि बिना किसी लोक-मर्यादा के उसका फायदा उठाने से भी नहीं हिचकते अर्थात उनकी कथनी और करनी में पूर्णत: अन्तर होता है।

(ii) बाज़ार में भगत जी के व्यक्तित्व का यह सशक्त पहलू उभरकर सामने आता है कि उन्हें अपनी आवश्यकताओं का भली-भाँति ज्ञान हैं। वे उतना ही कमाना चाहते हैं जितनी की उन्हें आवश्यकता है।

बाज़ार उन्हें कभी भी आकर्षित नहीं कर पाता वे केवल अपनी जरुरत के सामान के लिए बाज़ार का उपयोग करते हैं। वे खुली आँखें,संतुष्ट मन और मग्न भाव से बाजार जाते हैं।

भगतजी जैसे व्यक्ति समाज में शांति और व्यवस्था लाते हैं क्योंकि इस प्रकार के व्यक्तियों की दिनचर्या संतुलित होती है और ये बाज़ार के आकर्षण में फँसकर अधिक से अधिक वस्तुओं का संग्रह और संचय नहीं करते हैं जिसके फलस्वरूप मनुष्यों में होड़, अशांति के साथ महँगाई भी नहीं बढ़ती। अत: समाज में भी शांति बनी रहती है।

(iii) i. क्रिकेट में बल्लेबाज, क्षेत्ररक्षण व गेंदबाजी का वर्णन होता है, जबकि कुश्ती में दाँव-पेंच का।
ii. क्रिकेट में स्कोर बताया जाता है, जबकि कुश्ती में चित या पट का।
iii. कुश्ती में प्रशिक्षित कमेंटेटर निश्चित नहीं होते, जबकि क्रिकेट में प्रशिक्षित कमेंटेटर होते हैं।
iv. क्रिकेट की कमेंट्री से खिलाड़ी में उमंग एवं जोश पैदा होता है,दुसरी ओर कुश्ती की कमेंट्री पहलवान में वीरता भरती है। वह दांवपेच बदलकर प्रतिरोधी को हराता है।

(iv)
- बात बनना- काम बन जाना- कल लड़के वाले आए थे। लगता है नेहा की बात बन गई है।
- बात का बतंगड़ बनाना- छोटी बात को बड़ी बना देना- गगन ने तो बात का बतंगड़ बना दिया है।
- बात का धनी होना- जुबान का पक्का- रोहन बात का धनी है। जो बोल दिया वह करके रहता है।
- बातें बनाना- यहाँ की वहाँ लगाना- सोनिया हमेशा बातें बनाती रहती है।
- बात बिगड़ना- काम खराब होना- तुमने बनाई बात बिगाड़ दी।

(v) **उषा** कविता में कवि ने भोर के नभ की पवित्रता, निर्मलता तथा उज्ज्वलता को विविध बिंबों एवं प्रतीकों के माध्यम से दर्शाया है। 'राख से लीपा हुआ चौका' पवित्रता का प्रतीक है। 'नील जल में या किसी की गौर झिलमिल देह' में निर्मलता तथा 'काली सिल जरा से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो' में उज्ज्वलता का प्रतिबिंब है। यह उज्ज्वलता निर्मलता व पवित्रता ग्रामीणों में नई उम्मीद व आशा का संचार करती है। अतः भोर के नभ के बदलते सौंदर्य को कवि ने जन-जीवन की गतिशीलता तथा मानवीय गतिविधियों में हो रहे परिवर्तनों के रूप में रखा है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (4 X 2 = 8)

(i) कोई भी लेखन करते समय यह ध्यान देना जरूरी है कि हमारा पाठक, दर्शक या श्रोता कौन है, हमारी बातें उन्हें समझ में आ रहीं हैं या नहीं, हमारे तर्क और तथ्य आपस में मेल खा रहे हैं कि नहीं। हमारी अभिव्यक्ति उनकी जिज्ञासा या समस्या का समाधान करने सक्षम हो ये लेखन को विशिष्ट बनाने के लिए अति आवश्यक है।

(ii) **इंटरनेट के तेज़ी से लोकप्रिय होने के चार कारण निम्नलिखित हैं-**
- इंटरनेट के माध्यम से सूचनाओं का तेज़ी से आदान-प्रदान।
- इंटरनेट पर बैंकिंग कार्य तथा वस्तुओं की ख़रीदारी।
- सोशल मीडिया का बढ़ता वर्चस्व।
- हर प्रकार की विभागीय कार्य प्रणाली का ऑनलाइन निष्पादन होना।

(iii) यशोधर बाबू परंपरा को मानने तथा बनाए रखने वाले इंसान थे। उन्हें पुराने रीति-रिवाजों से लगाव था। वे संयुक्त परिवार के समर्थक थे। उनकी पुरानी सोच बच्चों को अच्छी नहीं लगती है। बच्चों का आचरण और व्यवहार देख उन्हें दु:ख होता है। उनकी पत्नी भी बच्चों का ही पक्ष लेती है और ज्यादातर समय बच्चों के साथ बिताती है। इसके अलावा यशोधर बाबू को घर के कई काम करने होते हैं। घर में अपनी पत्नी और बच्चों से हर बात पर मतभेद होने के कारण वे सोचते हैं कि किशनदा की तरह घर-गृहस्थी का बवाल न पालते तो अच्छा था।

खंड- ग (आरोह भाग - 2 एवं वितान भाग-2 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।
मुझसे मिलने को कौन विकल?
मैं होऊँ किसके हित चंचल?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।

(i) **(क)** बच्चों की व्याकुलता के कारण
व्याख्या:
बच्चों की व्याकुलता के कारण

(ii) **(ग)** उसका कोई अपना नहीं है।
व्याख्या:
उसका कोई अपना नहीं है।

(iii) **(घ)** माँ की प्रतीक्षा में
व्याख्या:
माँ की प्रतीक्षा में

(iv) **(ग)** उत्साह नहीं होना
व्याख्या:
उत्साह नहीं होना

(v) **(घ)** उसका अकेलापन
व्याख्या:
उसका अकेलापन

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) निम्नलिखित पंक्तियों में रूपक का प्रयोग हुआ है–

i. छोटा मेरा खेत चौकोना
ii. कागज का एक पन्ना
iii. शब्द के अंकुर फटे
iv. कल्पना के रसायनों को पी
v. रस का अक्षयपात्र

(ii) शरीर को चलाने के लिए पेट भरा होना आवश्यक है। इसे भरने के लिए अनेक कर्म करने पड़ते हैं। भिखारी से लेकर बड़े-बड़े लोग भी पेट की आग को शांत करने के लिए कर्म करते रहते हैं। पेट की आग को बडवाग्नि कहते हैं। इसे प्रयत्न द्वारा शांत किया जा सकता है इसलिए पेट की आग को समुद्र की आग से बड़ा बताया गया है।

(iii)

बिंब/मुहावरा	विशेषता
(क) बात की चूड़ी मर जाना	बात का प्रभावहीन हो जाना
(ख) बात की पेंच खोलना	बात को सहज और स्पष्ट करना
(ग) बात का शरारती बच्चे की तरह खेलना	बात का पकड़ में न आना
(घ) पेंच को कील की तरह ठोंक देना	बात में कसावट का न होना
(ङ) बात का बन जाना	कथ्य और भाषा का सही सामंजस्य बनना

sdffhyyyggfsfygutgy

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) इस कविता में कवि ने बालसुलभ इच्छाओं व उमंगो का सुंदर वर्णन किया है। पतंग बच्चों की उमंग व उल्लास के रंग-बिरंगा सपनों का प्रतीक है। शरद ऋतु में मौसम सुहावना और आकाश साफ़ हो जाता है। चमकीली धूप बच्चों को आकर्षित करती है। वे इस मनोरम मौसम में पतंगे उड़ाते हैं। आसमान में उड़ती हुई पतंगों को उनका बालमन छूना चाहता है। उनके पीछे भागते-दौड़ते बच्चे गिर-गिर कर भी सँभलते हैं। पतंगों के लिए दौड़ते हुये बच्चों के कोलाहल से चारों दिशाएँ मानो मृदंग की आवाज़ से गुंजित हो जाती हैं, उनकी कल्पनाएँ पतंगों के सहारे आसमान को पार करना चाहती हैं। प्रकृति भी उनका सहयोग करती है, तितलियाँ उनके सपनों को रंगीला बनाती है।

(ii) प्रस्तुत कविता 'कैमरे में बंद अपाहिज़' कवि रघुवीर सहाय जी के द्वारा रचित है। कवि ने इस कविता के माध्यम से मानवीय क्रूरता का चित्रण किया है, जो करुणा के मुखौटे में छिपी है। किसी अपाहिज़ व्यक्ति के दुखों को बेचना तथा उससे झूठी सहानुभूति जताकर उसकी करुणा का

सौदा करना क्रूरता की हदों को पार करना है। दूरदर्शन या मीडियाकर्मियों के द्वारा किया जा रहा उक्त कार्य बिल्कुल भी उचित नहीं है। यह कार्य किसी भी प्रकार से उचित नहीं ठहराया जा सकता है।

(iii)**निम्नलिखित संबोधनों की व्याख्या इस प्रकार हैं-**

i. अरे वर्ष के हर्ष!- बादलों को ऐसा संबोधन दिया गया है क्योंकि बादल वर्ष में एक बार आते हैं। जब आते हैं, तो पूरी पृथ्वी को बारिश रूपी सौगात दे जाते हैं। वर्षा का जल पाकर किसान, लोग, धरती तथा जीव-जन्तु सब हर्ष से भर जाते हैं।

ii. मेरे पागल बादल!- बादल मदमस्ती का प्रतीक है। बादल मतवाले होते हैं। जहाँ मन करता है, वहीं बरस जाते हैं। पागल व्यक्ति के समान गर्जना करते हैं, हल्ला मचाते हैं और यहाँ से वहाँ घूमते-रहते हैं। इसलिए उन्हें पागल कहा गया है।

iii. ऐ निर्बंध!- बादल बंधन से मुक्त होते हैं। इन्हें कोई बंधन में नहीं बांध सकता है। जहाँ इनका मन होता है, वहाँ जाते हैं और वर्षा करते हैं।

iv. ऐ स्वच्छंद!- बादल स्वच्छंद होते हैं। इन्हें कोई कैद में नहीं रख सकता है। स्वच्छंदतापूर्वक एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते हैं।

v. ऐ उद्दाम!- बादल बहुत क्रूर तथा प्रचण्ड होते हैं। वर्षा आने से पूर्व यह आकाश में कोहराम मचा देते हैं। भंयकर गर्जना से चारों तरफ भय उत्पन्न हो जाता है। मनुष्य को आकाश में अपने होने की सूचना देते हैं। तेज़ आंधी तथा तूफान चलने लगता है। मनुष्य इनकी उपस्थिति को नकार नहीं सकता है।

vi. ऐ सम्राट!- बादल सम्राट हैं। वे किसी की नहीं सुनते हैं, स्वतंत्रतापूर्वक घूमते हैं, अपनी शक्ति से लोगों को डरा देते हैं, बंधन मुक्त होते हैं, लोगों का पोषण करने वाले हैं, सारे संसार में विचरण करते हैं। उनके इन गुणों के कारण उन्हें सम्राट कहा गया है।

vii. ऐ विप्लव के प्लावन!- प्रलयकारी हैं। बादल में ऐसी शक्ति हैं कि वे चाहे तो प्रलय ला सकते हैं। जब बादले फट जाते हैं, तो चारों तरफ भयंकर तबाही मच जाती है। इसी कारण उन्हें ऐ विप्लव के प्लावन कहा गया है।

viii. ऐ अनंत के चंचल शिशु सुकुमार!- बादल ऐसे सुकुमार शिशु हैं, जो सदियों से हमारे साथ हैं। अपने सुंदर-सुंदर रुपों से ये हमें बच्चे के समान जान पड़ते हैं। इनका यह स्वरूप सदियों से चला आ रहा है। बच्चों के समान ही चिंतामुक्त होकर घूमते फिरते रहते है।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

फिर मेरी दृष्टि में आदर्श समाज क्या है? ठीक है, यदि ऐसा पूछेंगे, तो मेरा उत्तर होगा कि मेरा आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा? क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? किसी भी आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह कि दूध-पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है, और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है। (बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर)

(i) **(ग)** स्वतन्त्रता, समता, भाईचारा
व्याख्या:
स्वतन्त्रता, समता, भाईचारा

(ii) **(क)** बिना स्वार्थ के सामूहिक हितभाव
व्याख्या:
बिना स्वार्थ के सामूहिक हितभाव

(iii) **(ग)** बिना बाधा के संपर्क
व्याख्या:
बिना बाधा के संपर्क

(iv) **(घ)** कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
व्याख्या:
कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(v) **(ख)** i और ii
व्याख्या:
i और ii

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) भीषणताओं से भरी हुई रात्रि को केवल और केवल पहलवान लुट्टन सिंह की ढोलक ही ताल ठोंककर ललकारती थी। संध्या से सारी रात, पौ-फटने तक उसकी ढोलक लगातार एक सरस स्वर में बजती रहती। उस निस्तब्ध रात्रि में ढोलक की आवाज़; मृत-गाँव के सभी वासियों में संजीवनी शक्ति भर देती थी।

(ii) भक्तिन की बेटी पर पंचायत द्वारा पति इसलिए थोपा गया क्योंकि भक्तिन की विधवा बेटी के साथ उसके जेठ के लड़के के साले ने जबरदस्ती करने की कोशिश की थी। लड़की ने उसकी खूब पिटाई की परंतु पंचायत ने कोई भी तर्क न सुनकर एकतरफा फैसला सुना दिया। इसके विरोध में दो तर्क-

i. महिला के मानवाधिकार का हन होता है।
ii. योग्य लड़की का विवाह अयोग्य लड़के के साथ हो जाता है।

(iii)अवधूत सांसारिक मोह-माया से ऊपर उठा व्यक्ति होता है जो आत्मबल का प्रतीक होता है। परंतु आज मानव आत्मबल की बजाय देहबल, धनबल आदि जुटाने में लगा है। आज मनुष्य में आत्मबल का अभाव हो चला है। आज मनुष्य मानवीय मूल्यों को त्यागकर हिंसा, मार-काट, एवं आतंकवाद जैसी गलत प्रवृत्तियों को अपनाकर अपनी ताकत एवं क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है। हथियारों की होड़ लगी हुई पूरी दुनिया बारूद के

ढेर पर बैठी है। अनासक्त योगियों के अभाव में ऐसी स्थिति किसी भी सभ्यता के लिए संकट के समान है जहाँ मानवता ध्वस्त होने की कगार पर है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) यहाँ आत्मिक बल की बात कही गई है। आत्मिक बल से युक्त व्यक्ति के मन में सांसारिक आकर्षणों के लिए किसी प्रकार की तृष्णा नहीं होती है पर आत्मिक बल के अभाव में कमजोर मनुष्य ही धन के पीछे दौड़ता है क्योंकि उसमें संयम का अभाव होता है। यह मनुष्य की निर्बलता है। यह मनुष्य पर धन की जीत है। यह बौद्धिकता पर विचारहीनता की जीत है।

(ii) मैं मध्यवर्गीय परिवार से हूँ। किंतु हमारा परिवार बड़ा है कमाने वाले सदस्य दो ही हैं। इसलिए कमाई का साधन ज्यादा नहीं है। पिछले दिनों एक भिखारी मेरे घर आया। कपड़ों के नाम पर उसके बदन पर फटा हुआ कुर्ता और टूटी हुई चप्पल थी। सर्दी के दिन थे, ऐसी हालत में और अधिक दयनीय लग रहा था। मेरे पास भी दो ही स्वेटर थे। मैंने उसकी स्थिति को देखते हुए अपना एक स्वेटर उसे दे दिया और वह आशीर्वाद देता चला गया। शायद मेरे लिए यही त्याग था। त्याग तो वह होता है जो दूसरों को अपनी जरूरतों को दूर रखकर किया जाए अर्थात् अभाव में किया गया दान ही त्याग कहलाता है और उसी त्याग का फल मिलता है।

(iii) लेखक के अनुसार दासता केवल कानूनी पराधीनता नहीं है बल्कि इसकी व्यापक परिभाषा तो व्यक्ति को अपना पेशा चुनने की आज़ादी न देना अथवा अपने मनोनुकूल आचरण न करने देना है। सामाजिक दासता वह स्थिति है जिसमें कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा तय किए गए व्यवहार और कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है। अपनी इच्छा के विरुद्ध मजबूरी में दूसरे लोगों द्वारा निर्धारित पेशा अपनाना पड़ता हैं।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) यशोधर बाबू बचपन में ही माता-पिता के देहांत हो जाने की वजह से जिम्मेदारियों के बोझ से लद गए थे। वे सदैव पुराने ख्यालों वाले लोगों के बीच रहे, पले, बढ़े। यशोधर बाबू अपने आदर्श घोर संस्कारी किशनदा से अधिक प्रभावित हैं और आधुनिक परिवेश में बदलते हुए जीवन-मूल्यों और संस्कारों के विरूद्ध हैं। अतः वे उन परंपराओं को चाह कर भी छोड़ नहीं पाये। इन्हीं सब कारणों से परिवार के सदस्यों से उनका मतभेद बना रहता है; जबकि उनकी पत्नी अपने बच्चों के साथ खड़ी दिखाई देती है। विवाह के बाद उसे संयुक्त परिवार के कठोर नियमों का निर्वाह करना पड़ा इसलिए वह अपने बच्चों के आधुनिक दृष्टिकोण से जल्दी ही प्रभावित हो गई। वे बेटी के कहे अनुसार नए कपड़े पहनती हैं और बेटों के किसी मामले में दखल नहीं देती। यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ परिवर्तित हो जाती है, लेकिन यशोधर बाबू अभी भी किशनदा के संस्कारों और परंपराओं से चिपके हुए हैं। वे बदलते समय को समझते तो हैं किन्तु पूरे मन से स्वीकार न कर पाने के कारण असफल रहते हैं।

(ii) जो लड़के चौथी पास करके कक्षा में आए, लेखक उनमें से गली के दो लड़कों के सिवाए और किसी को जानता तक नहीं था क्योंकि उनके साथ के सभी लड़के उससे आगे निकल गए थे। जिन लड़कों को वह कम अक्ल और अपने से छोटा समझता था, उन्हीं के साथ अब उसे बैठना पड़ रहा था। वह अपनी कक्षा में पुराना विद्यार्थी होकर भी अजनबी बनकर रह गया। पुराने सहपाठी तो उसे सब तरह से जानते समझते थे, मगर नए लड़कों ने तो उसकी धोती, उसका गमछा, उसका थैला आदि सब चीज़ों का मज़ाक उड़ाना आरंभ कर दिया। उसके मन में यह दुःख भी था कि इतनी कोशिश करके पढ़ने का अवसर मिला तो उसके आत्मविश्वास में भी कमी आ गई।

(iii) मुहनजो-दड़ो के निकट बहती हुई सिंधु नदी, नगर में कुएँ, स्नानागार और बेजोड़ निकासी व्यवस्था को देखकर लेखक ने सिंधु घाटी की सभ्यता को जल-संस्कृति कहा है। मैं लेखक के कथन से पूर्णतया सहमत हूँ। इसके समर्थन में निम्नलिखित तर्क दिए जा सकते हैं-

i. प्रत्येक घर में एक स्नानघर था। घर के भीतर से पानी या मैला पानी नालियों के माध्यम से बाहर हौदी में आता था और फिर बड़ी नालियों में चला जाता था। कहीं-कहीं नालियाँ ऊपर से खुली थीं परन्तु अधिकतर नालियाँ ऊपर से बंद थीं।

ii. इनकी जलनिकासी व्यवस्था बहुत ही ऊँचे दर्जे की थी जो आज के विकसित एवं सभ्य देशों में भी दिखायी नहीं पड़ती।उस समय के लोगों में इसकी जागरूकता थी, वे सफाईपसंद थे।

iii. नगर में पीने के पानी के लिए कुओं का व्यापक प्रबंध था। ये कुएँ पक्की ईटों के बने थे। अकेले मुअनजो-दड़ों नगर में सात सौ कुएँ थे।

iv. यहाँ का महाकुंड लगभग चालीस फुट लम्बा और पच्चीस फुट चौड़ा था।ये पक्की ईटों से बना था जिसमें जलनिकास के लिए नालियाँ थी । सिन्धु नदी के समीप होने से जल का व्यापक भंडार था।